Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two-day International Conference on Sustainability, Future, Earth and Humanities: Opportunities and Challenges

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-11-2022**

हकेंवि | कुलपति बोले- पर्यावरणीय चुनौतियों के निदान में सहयोगी साबित होगा सम्मेलन

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानवजाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौति जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। उन्होंने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फॉर लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार साबित होगी। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के अध्यक्ष प्रो. जेपी सिंघल ने कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों का निदान पा सकते हैं। हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पृथ्वी को भारतीय संस्कृति में प्रदान किए गए मातृशक्ति के पद का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें वासुदैव कुटुम्बकम की अवधारणा का अनुसरण करते हुए मानवजाति के कल्याण के लिए कार्य करने चाहिए। इस अवसर पर भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 25-11-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ, मुख्यातिथि आरपी तिवारी बोले-

मानवजाति के समक्ष आने वाली प्राकृतिक चुनौतियों के निदान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण

▪ कुलपति बोले- पर्यावरणीय चुनौतियों के निदान में सहयोगी साबित होगा दो दिवसीय मंथन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हो गई। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. आर.पी. तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानवजाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। प्रो. तिवारी ने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फॉर लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विषय आज के समय में बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसका निदान सतत विकास और सामूहिक प्रयास से ही संभव है। कुलपति ने कहा कि इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार सबित होगी। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने विषय को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों का निदान पा सकते हैं। इस अवसर पर हकेवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव,

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रो. आर.पी तिवारी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

इससे पूर्व में उद्घाटन सत्र को इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज का वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। इसी क्रम में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने भी आयोजन के महत्त्व व इसमें होने वाली चर्चा पर विस्तार से अपनी बात रखी। अतिथियों ने आयोजन की स्मारिका व प्रो. महताब सिंह राणा की पुस्तक का विमोचन भी किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-11-2022**

प्रकृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आइजीयू) के सहयोग व (आइसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानवजाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। प्रो. तिवारी ने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फार लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार साबित होगी। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ) के अध्यक्ष प्रो. जेपी सिंघल ने कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों का निदान पा सकते हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आइजीयू के प्रयासों से आयोजित यह भव्य आयोजन इस दिशा में नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा। हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यदि हम पर्यावरण के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का आकलन कर निदान के लिए प्रयास करेंगे तो अवश्य ही अवसर विकसित होंगे।

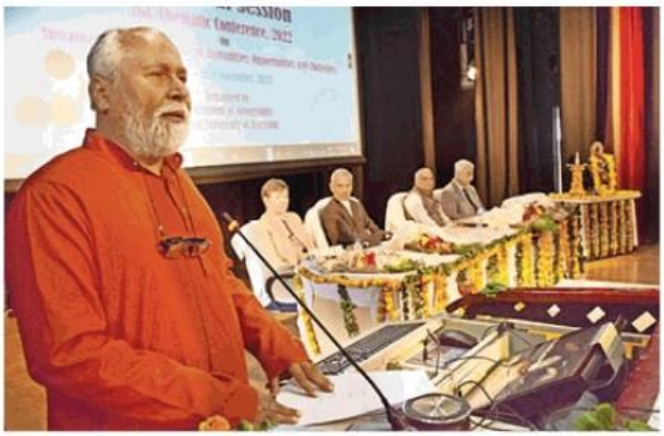

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ● सौ. प्रवक्ता

इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्किये के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने भी आयोजन के महत्त्व व इसमें होने वाली चर्चा पर विस्तार से अपनी बात रखी। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण सम्मेलन के संयोजक डा. मनीष कुमार ने प्रस्तुत किया जबकि आयोजन सचिव डा. पंकज कुमार ने दो दिवसीय आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की। आयोजन में अतिथियों ने आयोजन की स्मारिका व प्रो. महताब सिंह राणा की पुस्तक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. अभिरंजन कुमार व डा. रितु ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन भूगोल विभाग के डा. खेराज ने प्रस्तुत किया। डा. मनीष कुमार ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश से 600 प्रतिभागी पंजीकृत हुए ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 25-11-2022**

प्रकृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से निपटने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्णः तिवारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हो गई। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आरपी तिवारी व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 25-11-2022**

हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ

प्रकृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो. तिवारी

कुलपति बोले- पर्यावरणीय चुनौतियों के निदान में सहयोगी साबित होगा 2 दिवसीय मंथन

महेंद्रगढ़, 24 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हो गई।

इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आई.जी.यू.) के सहयोग व आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए।

आयोजन में विशेषातिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्यातिथि प्रो. आर.पी. तिवारी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. आर.पी. तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानव जाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौति जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। प्रो. तिवारी ने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फॉर लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया।

प्रो. तिवारी ने इस दिशा में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से समस्त मानव जाति के समक्ष उपस्थित जलवायु परिवर्तन की समस्या का निदान संभव होगा।

इसी क्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विषय आज के समय में बेहद महत्वपूर्ण है और इसका निदान सतत विकास और सामूहिक प्रयास से ही संभव है।

इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार साबित होगी।

हमें वासुदैव कुटुम्बकम का अनुसरण कर मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य करने चाहिए: प्रो. सुषमा यादव

राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों से निदान पा सकते हैं। उन्होंने इस दिशा में जारी प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आई.जी.यू. के प्रयासों से आयोजित यह भव्य आयोजन इस दिशा में नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि हम पर्यावरण के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का आकलन कर निदान के लिए प्रयास करेंगे तो अवश्य ही अवसर विकसित होंगे। प्रो. सुषमा यादव ने पृथ्वी को भारतीय संस्कृति में प्रदान किए गए मातृशक्ति के पद का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें वासुदैव कुटुम्बकम की अवधारणा का अनुसरण करते हुए मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य करने चाहिए। भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

देश-विदेश से 600 प्रतिभागी पंजीकृत

इससे पूर्व में उद्घाटन सत्र को इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। इसी क्रम में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने भी आयोजन के महत्व व इसमें होने वाली चर्चा पर विस्तार से अपनी बात रखी। आयोजन में अतिथियों ने आयोजन की स्मारिका व प्रो. महताब सिंह राणा की पुस्तक का विमोचन भी किया।

डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश से 600 प्रतिभागी पंजीकृत हुए हैं और इस दो दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन में विभाग के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार व शिक्षक डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव सहित आयोजन समिति के सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 26-11-2022**

हकेवि में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया।

इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पी.बी. सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे। समापन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

सम्मेलन समापन सत्र में दीप्रज्जवलित करते मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि

इसके पश्चात भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इसी क्रम में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में आयोजि यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में सम्पन्न हुए इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति की सराहना की।

प्रो. राणा पी.बी. सिंह ने दो दिवसीय इस आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस आयोजन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-11-2022**

आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से पहुंचे 700 प्रतिभागी

जलवायु परिवर्तन सहित कई चुनौतियों के निदान पर मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया।

इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर की ओर से आयोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पीबी सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलित करते मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि। संवाद

समापन सत्र की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसी क्रम में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में संपन्न हुए इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति की सराहना की। प्रो. राणा पी.बी. सिंह ने दो दिवसीय इस आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्त्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस आयोजन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। इसी क्रम में समापन सत्र में सम्मिलित विशिष्ट अतिथि प्रो. नथाली लेमचंद ने इस दो दिवसीय आयोजन की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। आयोजन के अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के शिक्षक डॉ. सी.एम. मीणा ने विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार, सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नरेश वर्मा, डॉ. संदीप राणा, डॉ. कपिल देव, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. रितु, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित समस्त सहयोगी का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 26-11-2022**

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन: हकेंवि में आयोजित हुआ था दो दिवसीय सम्मेलन

देश-विदेश के आए 700 प्रतिभागियों के किया भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर मंथन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पी.बी. सिंह व केंविवि के कुलसचिव प्रो.भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पी.बी. सिंह व केंविवि के कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार उपस्थित रहे।

समापन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में सम्पन्न हुए इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति की सराहना की। प्रो. राणा पी.बी. सिंह ने दो दिवसीय इस आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्हों

इसी क्रम में समापन सत्र मे सम्मिलित विशिष्ट अतिथि प्रो. नथाली लेमचंद ने इस दो दिवसीय आयोजन की

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में दीप्रज्वलित करते मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि

सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। आयोजन के अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के शिक्षक डॉ. सी.एम. मीणा ने विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार, सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नरेश वर्मा, डॉ. संदीप राणा, डॉ. कपिल देव, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. रितु, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित समस्त सहयोगी का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 26-11-2022**

विकास, भविष्य और मानविकी की चुनौतियों पर की चर्चा

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आइजीयू) के सहयोग व आइसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल रहे। विशिष्ट अतिथि इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पीबी सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार रहे।

भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डा. खेराज ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. राणा पीबी सिंह ने आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस आयोजन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। सम्मेलन के संयोजक डा. मनीष कुमार ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के शिक्षक डा. सीएम मीणा ने विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र कुमार, सम्मेलन के आयोजन सचिव डा. पंकज कुमार, डा. नरेश वर्मा, डा. संदीप राणा, डा. कपिल देव, डा. अभिरंजन कुमार, डा. रितु का आभार व्यक्त किया।

*****

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 26-11-2022**

हकेंवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

महेंद्रगढ़। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में दीप प्रज्ज्वलित करते मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पीबी सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे। समापन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया।

- देश-विदेश के आए 700 से अधिक प्रतिभागियों के किया मंथन

- देश-विदेश के आए 700 से अधिक प्रतिभागियों के किया मंथन

देश-विदेश से प्रतिभागी

कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। इसी क्रम में समापन सत्र में सम्मिलित विशिष्ट अतिथि प्रो. नथाली लेमचंद ने इस दो दिवसीय आयोजन की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया। आयोजन के अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के शिक्षक डॉ. सीएम मीणा ने विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार, सचिव डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नरेश वर्मा, डॉ. संदीप राणा, डॉ. कपिल देव, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. रितु, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित समस्त सहयोगी का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 26-11-2022**

Two-day International Conference concluded at Central University of Haryana

The valedictory session began with the University Kulgeet. Dr. Kheraj introduced the chief guest and Guest of Honour while presenting the welcome speech.

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

C.M. MEENA ALONG WITH HEAD OF THE DEPARTMENT DR. JITENDRA KUMAR, ORGANIZING SECRETARY OF THE CONFERENCE DR. PANKAJ KUMAR, DR. NARESH VERMA, DR. SANDEEP RANA, DR. KAPIL DEV, DR. ABHIRANJAN KUMAR, DR. RITU, STUDENTS, RESEARCH SCHOLARS, TEACHERS, NON-TEACHING STAFF EXPRESSED GRATITUDE TO ALL THE COLLABORATORS.

MAHENDARGARH: A two-day International Conference on Sustainability, Future, Earth and Humanities: Opportunities and Challenges concluded on Friday at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. In the valedictory session of this conference sponsored by ICSSR in collaboration with International Geographical Union (IGU), Prof. Barbaros Gonengil, General Secretary, IGU was the chief guest while the first President of the International Geographical Union, Prof. Nathalie Lemarchand, Prof. Rana P.B. Singh from Banaras Hindu University and Registrar of Central University of Haryana, Prof. Sunil Kumar were present as the Guest of Honour. The valedictory session began with the University Kulgeet. Dr. Kheraj introduced the chief guest and Guest of Honour while presenting the welcome speech. Prof. Barbaros Gonengil credited the success of the two-day event to the Prof. Tankeshwar Kumar and his team. He said that the hard work of the entire organizing body has brought success to this event. Certainly, this event will pave the way for the development of opportunities and diagnosis of various challenges present in the field of geography including climate change. Prof. Sunil Kumar said that this program organized in the University will certainly prove to be helpful in preparing future plans in this area. Prof. Sunil Kumar praised the entire organizing committee for this grand event organized under the leadership of Vice-Chancellor of the University. Prof. Rana P.B. Singh described this two-day event important for a new discussion in the field of geography. He said that the participants involved in the event would be helped to move forward in their field of work through this event.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 26-11-2022**

2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन, 700 से अधिक प्रतिभागियों के किया मंथन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में दीप प्रज्वलित करते मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि।

महेंद्रगढ़, 25 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आई.जी.यू.) के सहयोग व आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पी.बी. सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

समापन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय करवाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने 2 दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा सम्मेलन: प्रो. सुनील

विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में सम्पन्न हुए इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति की सराहना की।

प्रो. राणा पी.बी. सिंह ने 2 दिवसीय इस आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस आयोजन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

इसी क्रम में समापन सत्र में सम्मिलित विशिष्ट अतिथि प्रो. नथाली लेमचंद ने इस 2 दिवसीय आयोजन की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। आयोजन के अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए।